संस्कृतविभागः

महात्मा-गाँधी-केन्द्रीय-विश्वविद्यालयः बिहारः

द्वि-दिवसीयम् अन्ताराष्ट्रियशोधसम्मेलनम्

'संस्कृतसाहित्ये राजधर्मः मानवकल्याणञ्च'

दिनाङ्कः 27 – 28 मार्च, 2020

प्रतिभागिनः प्रकारः ☐ शिक्षकः ☐ शोधच्छात्रः ☐ वैदेशिकः ☐ अन्यः

नाम- .....

शैक्षणिकयोग्यता- .....

वृत्तिः/पदम्-.....

संस्थानस्य नाम- .....

पत्राचारसङ्केतः-.....

.....

दूरभाषः (Mobile)- .....

अणुसङ्केतः(Email) .....

शोधपत्रस्य शीर्षकम् .....

.....

आगमनतिथिः .....

प्रस्थानतिथिः .....

शुल्कविवरणम्

डी.डी./ऑनलाईन स्थानातरण-संख्या .....

कोषागारस्य (बैंक) नाम .....

दिनाङ्कः ..... धनम् .....

प्रतिभागिनः हस्ताक्षरम्

Printed by : YUGANTAR PRESS & PRAKASHAN, MOTIHARI # 06252-232331

आमन्त्रणम्

द्विदिवसीयम् अन्ताराष्ट्रियशोधसम्मेलनम्

अयि विद्यासमाराधनतत्परास्सुधियः !

संस्कृतवाङ्मये निहितस्य राजधर्मस्य अथ च मानवकल्याणविषयकस्य ज्ञानभाण्डागारस्य वर्तमानसमये उपयोगितामभिलक्ष्य बिहारप्रान्तस्थ महात्मा-गाँधी-केन्द्रीय-विश्वविद्यालयस्य संस्कृतविभागेन **'संस्कृतसाहित्ये राजधर्मः मानवकल्याणञ्च'** इति विषयकं द्विदिवसीयम् अन्ताराष्ट्रियशोधसम्मेलनम् **27/03/2020** तः **28/03/2020** दिनाङ्कपर्यन्तं समायोज्यते। सम्मेलनेऽस्मिन् कार्यक्रमानुसारं तत्र भवतां / भवतीनामुपस्थितिः सादरं प्रार्थ्यते।

आयोजनसमितिः

मुख्यसंरक्षकः

प्रो. संजीव कुमार शर्मा

कुलपतिः

महात्मा-गाँधी-केन्द्रीय-विश्वविद्यालयः बिहारः

संरक्षकः

प्रो. राजीव कुमारः

अधिष्ठाता शोधः विकासश्च

अध्यक्षः संयोजकश्च

प्रो. प्रसून दत्त सिंहः

संस्कृतविभागाध्यक्षः

+919771824852
pdsingh@mgcub.ac.in

सहसंयोजकौ

डॉ. श्याम कुमार झा
सहाचार्यः संस्कृतविभागः
+919434385918
shyamkumarjha@mgcu.ac.in

डॉ. विश्वेशः
सहायकाचार्यः संस्कृतविभागः
+919717788864,
vishujnu@gmail.com

आयोजनसचिवाः

डॉ. अनिल प्रताप गिरिः
सहाचार्यः संस्कृतविभागः

डॉ. बबलू पालः
सहायकाचार्यः संस्कृतविभागः

श्री विश्वजित् वर्मनः
सहायकाचार्यः संस्कृतविभागः

अयि श्री श्रयतां यशः

150 YEARS OF CELEBRATING THE MAHATMA

महात्मा-गाँधी-केन्द्रीय-विश्वविद्यालयः बिहारः

द्विदिवसीयम्

अन्ताराष्ट्रियशोधसम्मेलनम्

संस्कृतसाहित्ये राजधर्मः मानवकल्याणञ्च

(RĀJADHARMA AND HUMAN WELFARE IN SANSKRIT LITERATURE)

वैक्रमाब्दः २०७७ चैत्रशुक्लतृतीयातः चतुर्थीं यावत्

दिनाङ्कः- 27-28 मार्च, 2020

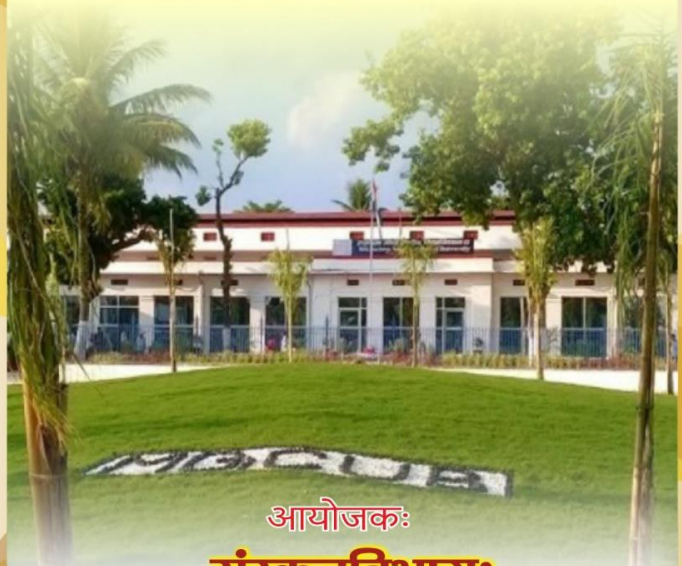

आयोजकः

संस्कृतविभागः

महात्मा-गाँधी-केन्द्रीय-विश्वविद्यालयः

गाँधी-परिसरः, बनकटम्, मोतिहारी, बिहारः-845401

महात्मा गाँधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय, बिहार :-

राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी के ऐतिहासिक चम्पारण सत्याग्रह की पावन भूमि मोतिहारी में महात्मा गाँधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय की स्थापना संसद द्वारा अधिनियमित केन्द्रीय विश्वविद्यालय (संशोधन) अधिनियम 2014 (संख्या 35, 2014) के तहत 17 दिसम्बर, 2014 को महामहिम राष्ट्रपति द्वारा की गई। यह विश्वविद्यालय भारत सरकार द्वारा पूर्णतः वित्तपोषित तथा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा विनियमित है। 3 फरवरी, 2016 को अपनी स्थापना के साथ ही विश्वविद्यालय विकास के पथ पर निरन्तर अग्रेसर है, जो मूल्यपरक एवं गुणवत्तापूर्ण अकादमिक वातावरण के निर्माण हेतु प्रतिबद्ध है।

वर्तमान में विश्वविद्यालय में एक प्रशासनिक भवन के अतिरिक्त कुल तीन परिसर हैं, जिसमें सात सङ्कायों के अधीनस्थ कुल बीस विभाग प्रवर्तमान हैं। विश्वविद्यालय का निकटतम हवाई अड्डा पटना, मोतिहारी से लगभग 150 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। मोतिहारी रेलवे से भी सभी प्रमुख नगरों से जुड़ा हुआ है। सबसे निकटतम रेलवे स्टेशन, बापूधाम मोतिहारी तथा रेलवे जंक्शन मुजफ्फरपुर है। मोतिहारी बिहार के सभी प्रमुख नगरों तथा समीपवर्त्ती राज्यों से जुड़ा, राष्ट्रिय राजमार्ग संख्या 28ए पर स्थित है।

संस्कृत विभाग :-

महात्मा गाँधी केन्द्रीय विश्वविद्यालयस्थ मानविकी एवं भाषा सङ्काय के अन्तर्गत संस्कृत विभाग की स्थापना विश्वविद्यालय के यशस्वी कुलपति, राजनीतिविज्ञान एवं संस्कृत के मूर्धन्य विद्वान् प्रो. संजीव कुमार शर्मा के द्वारा 23 मई, 2019 को की गई। संस्कृत विभाग वेद-वेदाङ्ग, व्याकरण, दर्शन, धर्मशास्त्र, भाषाशास्त्र, साहित्य और पाण्डुलिपिविज्ञान में शास्त्रीय एवं आधुनिक शिक्षण पद्धति में निष्णात, एक आचार्य (प्रोफेसर), दो सह-आचार्यों (एसोसिएट प्रोफेसर) एवं तीन सहायक-आचार्यों (असिस्टेन्ट प्रोफेसर) से युक्त है, जो एम.ए., एम.फिल्. एवं पीएच.डी. की उपाधि प्रदान करने तथा वैश्विक स्तर पर भारतीय ज्ञान परम्परा के उन्मेषण हेतु कृतसङ्कल्प है।

अन्ताराष्ट्रियशोधसम्मेलन :-

संस्कृत विश्व की प्राचीनतम भाषा है, जिसमें वैदिक काल से ही भारतीय संस्कृति एवं ज्ञान-विज्ञान की अजस्र धारा अक्षुण्ण रूप से प्रवाहित होती रही है। संस्कृत केवल भाषा मात्र ही नहीं, अपितु इसमें वेद, वेदाङ्ग, दर्शन, धर्मशास्त्र आदि के साथ-साथ भौतिकी, रसायनविज्ञान, गणितविज्ञान, समाजविज्ञान, खगोलविज्ञान, ज्योतिर्विज्ञान, आयुर्विज्ञान, शिल्पविज्ञान, आभियान्त्रिकी, कृषिविज्ञान, अर्थशास्त्र, राजनीतिविज्ञान आदि वैज्ञानिक विषयों पर मानव कल्याण की भावना से युक्त भारतीय चिन्तन पद्धति का साङ्गोपाङ्ग विवेचन उपलब्ध है। भारतीय मनीषियों ने समस्त ज्ञान-विज्ञान का विवेचन समग्रता की दृष्टि से किया है, जो 'पुरुषार्थ-चतुष्टय' की अवधारणा पर आधारित है तथा जिससे प्राणिमात्र के जीवन का सन्तुलित एवं सम्पूर्ण विकास सम्भव है।

अतः आज की परिस्थिति में वैश्विक स्तर पर संस्कृत वाङ्मय में उपन्यस्त ज्ञान-भाण्डार तथा उसके माध्यम से नैतिक, आत्मिक, सार्वभौमिक, राजनैतिक, सामाजिक एवं आध्यात्मिक उन्नति पर विशद् चर्चा के साथ ही समाज के सम्मुख उपस्थित ज्वलन्त समस्याओं को रेखाङ्कित करते हुए संस्कृत साहित्य में उनका समाधान ढूँढ़ना इस सम्मेलन का अभिप्रेत है।

संस्कृत साहित्य में राजधर्म और मानवकल्याण विषयक अजस्र ज्ञानकोश का भाण्डार विद्यमान है, जिसे वैज्ञानिक बुद्धि सम्पन्न आधुनिक युवा पीढी के समक्ष लाना अत्यन्त आवश्यक है। अतः हमारा विश्वास है कि संस्कृत विभाग (महात्मा गाँधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय) द्वारा आयोजित **'संस्कृत साहित्य में राजधर्म एवं मानवकल्याण'** विषयक अन्ताराष्ट्रियशोधसम्मेलन के आयोजन से न केवल संस्कृत के अध्येताओं, अपितु अन्तर्विषयी तथा अन्तर्भाषायी शोधप्रज्ञों एवं विद्वज्जनों के समक्ष भी संस्कृत वाङ्मय में निहित राजधर्म एवं मानवकल्याण की शाश्वत अवधारणाओं के प्रति निश्चय ही सकारात्मक एवं नवीन दृष्टि का उन्मेष हो सकेगा।

अवान्तरविषय

१. वैदिकवाङ्मय में राजधर्म एवं मानवकल्याण (Rājdharma and Human Welfare in Vedic Literature)
२. भारतीय दर्शनशास्त्र में मानवकल्याण (Human Welfare in Indian Philosophy)
३. रामायण में राजधर्म एवं मानवकल्याण (Rājdharma and Human Welfare in Rāmayana)
४. महाभारत में राजधर्म एवं मानवकल्याण (Rājdharma and Human Welfare in Mahabharata)
५. संस्कृत महाकाव्यों में राजधर्म एवं मानवकल्याण (Rājdharma and Human Welfare in Sanskrit Epic Literature)
६. संस्कृत रूपकों में राजधर्म एवं मानवकल्याण (Rājdharma and Human Welfare in Sanskrit Drama)
७. धर्मशास्त्र एवं अर्थशास्त्र में राजधर्म एवं मानवकल्याण (Rājdharma and Human Welfare in Dharmasastra & Arthashastra)
८. आयुर्वेदीय ग्रन्थों में लोकमङ्गल भावना (Human Welfare in Ayurvedic Texts)
९. अर्वाचीन संस्कृत साहित्य में राजधर्म एवं मानवकल्याण (Rājdharma and Human Welfare in Modern Sanskrit Literature)
१०. साम्प्रतिक संस्कृतरचनाधर्मिता एवं मानवकल्याण (Contemporary Sanskrit writing trends and Human Welfare)

निर्देश

१. शोधपत्र का माध्यम- संस्कृत, हिन्दी अथवा अंग्रेजी होना चाहिए।
२. पञ्जीकरण एवं शोधसार प्रेषण की अन्तिम तिथि- 18 मार्च, 2020 है, जिसको internationalconference.mgcu@gmail.com पर भेजना है।
३. देवनागरी हेतु- फॉण्ट-14, यूनिकोड, संस्कृत 2003, आङ्ग्लभाषा हेतु - Roman- Font Size-12, Times New Roman, Space-1.5 अपेक्षित है।
४. समस्त शोधपत्र Word तथा PDF दोनों ही माध्यम से भेजना अनिवार्य है।
५. सम्मेलन में शोधपत्र वाचन हेतु अप्रकाशित शोधपत्रों का ही प्रेषण अनिवार्य है।
६. भोजन व्यवस्था दिनांक 28.03.2020 प्रातः से 29.03.2020 मध्याह्न तक की जायेगी।
७. यात्रा एवं आवास व्यय प्रतिभागियों द्वारा स्वयं वहन किया जायेगा। पूर्व सूचना करने पर आवास व्यवस्था की जा सकती है, शुल्क प्रतिदिन 500/- रु0/50$ देय होगा।
८. शुल्कः डी. डी.(favour of- MAHATMA GANDHI CENTRAL UNIVERSITY Payable at MOTIHARI) अथवा ऑनलाइन स्थानान्तरण से देय है।
   Account Name: **Mahatma Gandhi Central University**
   Account Number: 3604439101
   IFSC Code: CBIN0280030
   Bank Name: Central Bank of India, Luthaha Branch, Motihari.
९. पञ्जीकरण शुल्क- अध्यापकों हेतु - 1000/-
   शोधच्छात्रों हेतु - 800/-
   वैदेशिक प्रतिभागियों हेतु - 50$

परामर्शदात्री समितिः

प्रो. राजेन्द्र सिंहः
मानविकी तथा भाषासंकायाधिष्ठाता

डॉ. पद्माकर मिश्रः
विशेषकार्याधिकारी (प्रशासनम्)

प्रो. अरुण कुमार भगतः
संगणकविज्ञानं सूचना तथा जनसञ्चारप्रौद्योगिकिसंकायाधिष्ठाता

प्रो. आनन्द प्रकाशः
जीवनविज्ञानसंकायाधिष्ठाता

प्रो. विकास पारीकः
विशेषकार्याधिकारी (वित्तम्)

प्रो. पवनेश कुमारः
वाणिज्यं तथा प्रबन्धनशास्त्रसंकायाधिष्ठाता

प्रो. आशीष श्रीवास्तवः
शिक्षाशास्त्रसंकायाधिष्ठाता

प्रो. अजय कुमार गुप्ता
भौतकीयविज्ञानसंकायाधिष्ठाता

प्रो. सुनील महावरः
गाँधीदर्शनं तथा शान्त्यध्ययनविभागाध्यक्षः

डॉ. कैलाश चन्द्र प्रधानः
अर्थशास्त्रविभागाध्यक्षः

डॉ. बिमलेश कुमार सिंहः
आङ्ग्लभाषाविभागाध्यक्षः

डॉ. एम. विजय कुमार शर्मा
समाजकार्यविभागाध्यक्षः

डॉ. सुजीत कुमार चौधरी
समाजशास्त्रविभागाध्यक्षः

डॉ. ज्वालाप्रसादः
सहकुलसचिवः (शैक्षणिकः)

श्री सच्चिदानन्दसिंहः
सहकुलसचिवः (स्थापना)